

वन्दे मातरम्



#27

श्री गणेशाय नमः

विजयेश्वर

वि० सं.

२०१३

सन् १९०७

संशोधकः—

ज्यो० आनं भ राम शर्मा



श्री विजयेश्वराय नमः

पञ्चाङ्ग

स० सं.

५०३२

दरकत प्रिन्टिंग प्रेस,
अमृतसर

सम्पादकः—

ज्यो० प्रेम नाथ शास्त्री

[illegible]

6	6	8	8	8	8	8	9	4	7	4	9	4	7	1	9	1	9	4	2	1	7	1	9			
11	4	4	3	12	9	13	0	19	.	.	19	0	13	9	17	3	10	4	11	1	11	4	14	2	13	9

५०३३ ब्रह्मसूत्र ३९ अ ५ जी ५ अंतिम वृत्ति विष्णु वृत्ति के मध्य मध्यकः ०३१४ सु. १९७१५६।
 ५००३ ब्रह्मसूत्र ३९ अ ५ जी ५ अंतिम वृत्ति विष्णु वृत्ति के मध्य मध्यकः ०३१४ सु. १९७१५६।

[illegible]

[illegible][illegible][illegible]

[illegible]

37 36 35 34 33 32 31 30 29 28 27 26 25 24 23 22 21 20 19 18 17 16 15 14 13 12 11 10 9 8 7 6 5 4 3 2 1
 37 36 35 34 33 32 31 30 29 28 27 26 25 24 23 22 21 20 19 18 17 16 15 14 13 12 11 10 9 8 7 6 5 4 3 2 1

199 00 43 03 42 03 42 04 41 04 44 05 43 06 49 05 40 00 37 00 33 99 31 93 21 94 31 91 34 90

पुद्गलभंज १०३३ कमुनि ३३ सं ३३ कुंभकसु मेळी कंरुनी संमरा अदे संकः ०३ १२ अ - ३३ १५ १५
 वरुभभंज ३०३३ रचं ०१ १५ मिश्र ११ ०५ अउ अउसु नुळे कं उदा श्रीरुनी सुम विगं गंही ०७ ११

[illegible]

[illegible]

अथ लुग भण्डानि : ३०

[illegible]

22 अगस्त 1942

वन्दे कृष्णं



जगद्गुरुम्

—: सम्पादक :—

आमाभराम शर्मा, ज्यो० कण्ठसुख शर्मा, ज्यो० काशीनाथ शर्मा
विजविहारा काटमीर